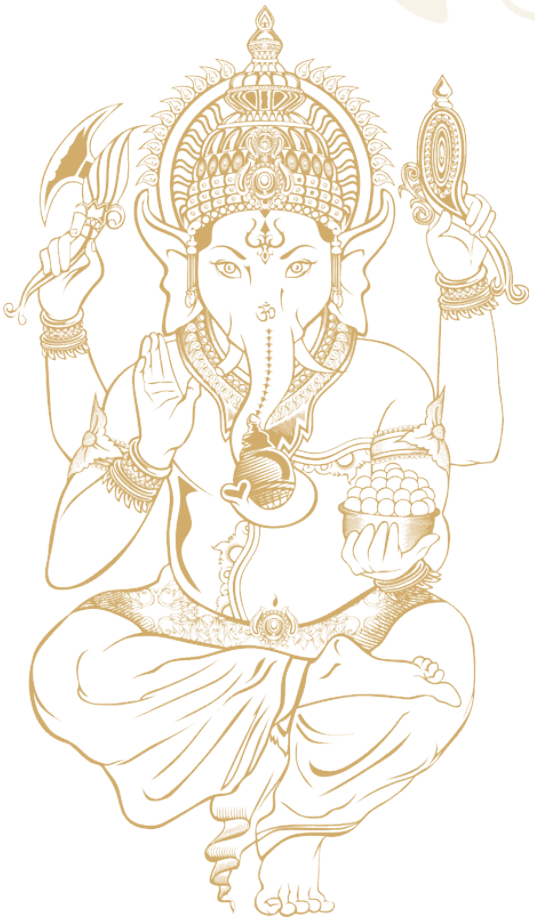

D

06 Sep 1990

08:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121097203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/09/1990**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	05:33:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:53:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:30 घंटे
साम्पातिक काल	06:53:37 घंटे
सूर्योदय	06:01:26 घंटे
सूर्यास्त	18:37:16 घंटे
दिनमान	12:35:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:32:11 सिंह
लग्न के अंश	18:04:13 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:04:13	316:59:37	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			सिंह	19:32:11	00:58:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	02:58:24	14:00:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	08:58:53	00:27:54	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	सिंह	23:32:54	00:58:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	10:07:05	00:11:44	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	04:44:46	01:14:05	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	25:12:41	00:01:39	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु	व		मक	13:08:15	00:05:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	13:08:15	00:05:33	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	11:54:04	00:00:26	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:09:04	00:00:34	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	21:44:01	00:01:23	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	18:36:19	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:51

लग्न-चलित

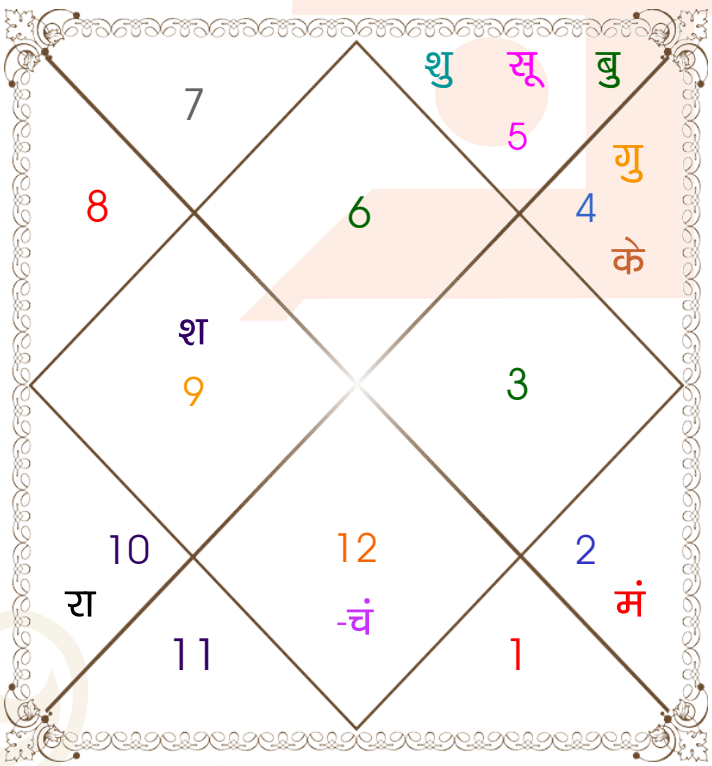

चन्द्र कुंडली

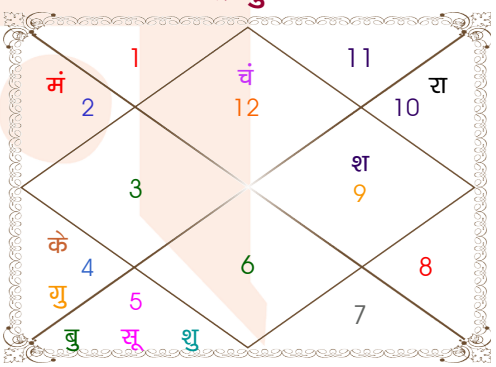

नवमांश कुंडली

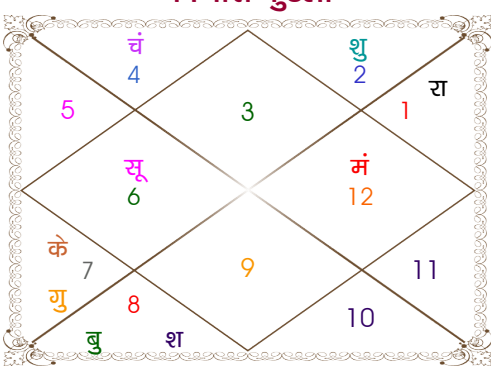

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 5 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/09/1990		11/02/1991		10/02/2010		11/02/2027		10/02/2034	
11/02/1991		10/02/2010		11/02/2027		10/02/2034		10/02/2054	
	00/00/0000	शनि	13/02/1994	बुध	09/07/2012	केतु	10/07/2027	शुक्र	12/06/2037
	00/00/0000	बुध	24/10/1996	केतु	06/07/2013	शुक्र	08/09/2028	सूर्य	12/06/2038
	00/00/0000	केतु	02/12/1997	शुक्र	06/05/2016	सूर्य	14/01/2029	चंद्र	11/02/2040
	00/00/0000	शुक्र	01/02/2001	सूर्य	13/03/2017	चंद्र	15/08/2029	मंगल	12/04/2041
	00/00/0000	सूर्य	14/01/2002	चंद्र	12/08/2018	मंगल	11/01/2030	राहु	12/04/2044
	00/00/0000	चंद्र	15/08/2003	मंगल	09/08/2019	राहु	30/01/2031	गुरु	12/12/2046
	00/00/0000	मंगल	23/09/2004	राहु	26/02/2022	गुरु	05/01/2032	शनि	10/02/2050
	06/09/1990	राहु	31/07/2007	गुरु	03/06/2024	शनि	13/02/2033	बुध	11/12/2052
राहु	11/02/1991	गुरु	10/02/2010	शनि	11/02/2027	बुध	10/02/2034	केतु	10/02/2054

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/02/2054		11/02/2060		10/02/2070		10/02/2077		11/02/2095	
11/02/2060		10/02/2070		10/02/2077		11/02/2095		07/09/2110	
सूर्य	31/05/2054	चंद्र	11/12/2060	मंगल	10/07/2070	राहु	24/10/2079	गुरु	31/03/2097
चंद्र	30/11/2054	मंगल	12/07/2061	राहु	28/07/2071	गुरु	19/03/2082	शनि	12/10/2099
मंगल	06/04/2055	राहु	11/01/2063	गुरु	03/07/2072	शनि	23/01/2085	बुध	18/01/2102
राहु	29/02/2056	गुरु	12/05/2064	शनि	12/08/2073	बुध	12/08/2087	केतु	25/12/2102
गुरु	17/12/2056	शनि	12/12/2065	बुध	09/08/2074	केतु	30/08/2088	शुक्र	25/08/2105
शनि	29/11/2057	बुध	13/05/2067	केतु	05/01/2075	शुक्र	31/08/2091	सूर्य	13/06/2106
बुध	06/10/2058	केतु	12/12/2067	शुक्र	06/03/2076	सूर्य	24/07/2092	चंद्र	13/10/2107
केतु	11/02/2059	शुक्र	12/08/2069	सूर्य	12/07/2076	चंद्र	23/01/2094	मंगल	18/09/2108
शुक्र	11/02/2060	सूर्य	10/02/2070	चंद्र	10/02/2077	मंगल	11/02/2095	राहु	07/09/2110

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 5 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।